शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

■ नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

जुलाई, 2022 | वर्ष 02 | अंक 07 | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्य: नि:शुल्क

प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban | स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | DAY-NULM Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission

17,455
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

30,848
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

89,008
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

62,588
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई PMAY(U) की सातवीं वर्षगांठ

पौधारोपण कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राज्य स्तरीय ग्राहक जनसंपर्क अभियान में लाभुकों के बीच करोड़ों के ऋण का वितरण

अनुक्रमणिका

हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई PMAY(U) की सातवीं वर्षगांठ

"खुशियों का आशियाना" शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में राज्य के प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

रांची में एक दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पौधारोपण कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राज्य स्तरीय ग्राहक जनसंपर्क अभियान में लाभुकों के बीच करोड़ों के ऋण का वितरण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: करें योग, रहें निरोग

आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम, डे-एनयूएलएम से मिला जीविका का सही आधार

समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास, लाभार्थियों में जगी नई आस

पीएम स्वनिधि से पूरे हुए अरमान समाज में मिली नई पहचान

PMAY (U) से पूरे हो रहे अरमान, चेहरे पर खिल रही मुस्कान

गढ़वा नगर परिषद की अनूठी पहल: अनौपचारिक शिक्षण हेतु "शिक्षा दीप" का शुभारंभ

प्रकृति की सुंदरता से आच्छादित : गुमला नगर परिषद

संदेश

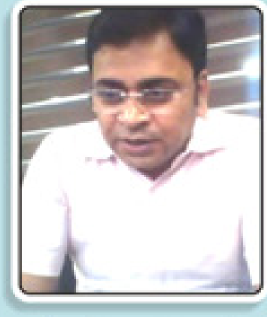

नमस्कार !! सर्वप्रथम आप सभी पाठकों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएँ। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना है राज्य के विकास, समृद्धि एवं प्रगति के साथ-साथ सभी के जीवन में खुशहाली लाएँ।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में, झारखंड राज्य विभिन्न योजनाओं को मूर्त रूप देकर समग्र विकास के लक्ष्य को निर्धारित कर रहा है। यह पूर्ण प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ एक उज्ज्वल भविष्य की ओर देखते हुए, उपलब्धियों पर चिंतन करने, उनका उत्सव मनाने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आगे बढ़ने का भी समय है।

किसी राज्य का मानव संसाधन उन प्रमुख स्तंभों में से एक है, जिन पर उसकी भविष्य की क्षमता और यात्रा निर्भर करती है। मानव संसाधन का सर्वोत्तम इस्तेमाल, उच्च जीवन स्तर, जिंदगी की गुणवता में वृद्धि, संसाधनों का न्यायोचित और समावेशी वितरण जैसे बेहतर कारक ही वास्तविक एवं प्रामाणिक सामाजिक परिणाम लाते है। आर्थिक रूप से कुशल मानव पूंजी व्यवस्था के अंदर संपन्नता, नवाचार और मूल्यवर्द्धन में इजाफा करती है।

झारखंड सरकार का नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग उपरोक्त मूल्यों को विभिन्न योजनाओं को धरातली रूप देकर एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर परिलक्षित करने को लेकर निरंतर प्रयासरत है। निदेशालय के शहरी समाचार का यह नवीन अंक (जुलाई 2022) निदेशालय के न्यूज़ लेटर की शृंखला के दूसरे वर्ष का सातवाँ अंक है, जिसमें राज्य के निकायों से जुड़ी छोटी-बड़ी गतिविधियों एवं नगर निकायों में संचालित व क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं से संबन्धित प्रकार्यों को संकलित करने का प्रयास किया गया है।

इस पत्रिका के प्रकाशन में अपनी सूझबूझ और सावधानियां बरती हैं। फिर भी यदि पाठकों को कोई त्रुटि नजर आये तो हमारे प्रबुद्ध पाठक बखूबी त्रुटि सुधार करते हुये विषय वस्तु को समझेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता के प्रमुख सिद्धांतों का पालन हितधारकों के बीच विश्वास और भरोसा बढ़ाता है। योग्यता और अयोग्यता के संबंध में मानदंड निर्धारित करना, समाज के सभी सदस्यों को मार्ग दिखाने वाले मार्गदर्शक सितारों के रूप में कार्य करते हैं और सभी से अपेक्षा की जाती है कि वे उनका सम्मान करें और पालन करें। इस विश्वास के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करता हूँ। साथ ही यह उम्मीद करता हूँ कि "शहरी समाचार" का यह अंक पाठकों के लिए उत्साहवर्द्धक एवं ज्ञानवर्द्धक सिद्ध होगा।

श्री शैलेश प्रियदर्शी
सहायक निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई PMAY(U) की सातवीं वर्षगांठ

राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 7 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर दिनांक 25.06.2022 को योजना के लाभुकों द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योजना के माध्यम से हजारों परिवारों को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आवास के सपने को साकार किया गया है। कार्यक्रम में लाभुकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्य रूप से लाभुकों का गृह प्रवेश हुआ। पक्का घर का सपना साकार होने से लाभुकों में काफी उत्साह दिखा। पौधारोपण, केक कटिंग, रंगोली प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन कर आकर्षक एवं सुंदर रंगोली से अपने घर को सजाया। नगर निकाय के अधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम के दौरान लाभुकों को नव-निर्मित आवासों को सुरक्षित, साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित रखने का सलाह भी दिया गया।

89008

राज्यभर में PMAY (U) के 7 साल के सफर में आवासों का निर्माण पूर्ण हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 7वीं वर्षगाँठ पर निकायों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में लाभुक सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। योजना के घटक-3 (भागीदारी में किफायती आवास परियोजना) के तहत विभिन्न निकायों में निर्माणाधीन आवासों के लाभुक जिन्होंने तीसरा किश्त दे दिया है व घटक-4 के तहत ससमय एवं सुन्दर आवास निर्माण करने वाले लाभुकों को सम्मानित किया गया। कई निकायों में कार्यक्रम के दौरान लाभुकों के बीच पहुंच कर उनका आवास योजना से संबंधित अनुभव जानने का भी प्रयास किया गया।

पूर्ण आवासों के लाभुकों को आवास का सांकेतिक चाबीं सौंपकर गृह प्रवेश कराया गया एवं एक-एक पौधा भी लाभुकों को दिया गया और उसे आवास के समीप लगाने के लिए प्रेरित किया गया। अपना आवास पाकर लाभुकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। साथ ही निकायों में योजना के घटक-4 के तहत निर्माणाधीन आवासों के लाभुको से यह अपील भी की गयी कि वें निर्माणाधीन आवासों को ससमय पूर्ण कर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के ''सभी के लिए आवास'' मिशन को जल्द सफल बनायें।

हजारीबाग नगर निगम की तस्वीर

सभी नगर निकायों में PMAY (U) के सातवीं वर्षगांठ की रही धूम

राज्य के सभी नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। सभी निकायों में सर्वप्रथम लाभुकों के साथ केक काट कर खुशियाँ मनाई गयी। लाभुकों को आवास पूर्णता का प्रमाण पत्र भी दिया गया। विभिन्न निकायों में 7वीं वर्षगाँठ के अवसर पर लाभुकों को जागरूक करने का भी प्रयास किया गया। नव-निर्मित आवास के लाभुकों के बीच रंगोली कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

नगर निकायों में आयोजित किये गये विविध कार्यक्रम

- लाभुकों को चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया गया।
- लाभुकों ने केक काटकर मनाई खुशी।
- लाभुकों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किया गया।
- झारखंड का राजकीय पुष्प पलाश के पौधे का भी वितरण एवं वृक्षारोपण किया गया।

कपाली नगर परिषद

कपाली नगर परिषद में कार्यक्रम का आयोजन करते हुए 7वीं वर्षगाठ के अवसर पर कार्यालय के सभागार में "आवास पर संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही झारखंड का राजकीय पुष्प पलाश के पौधे का भी वृक्षारोपण किया गया।

नगर निकायों की झलकियाँ

रांची नगर निगम

लोहरदगा नगर परिषद

निदेशालय द्वारा बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने वाले नगर निकायों को राज्यकीय स्तर पर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही योजना के ससमय सफल कार्यान्वयन के लिए उत्सवों एवं महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रमों के आयोजन एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए भी सलाह दिया गया।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

''खुशियों का आशियाना'' शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में राज्य के प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

भारत सरकार द्वारा 75 वर्षों के प्रगतिशील भारत और लोगों की संस्कृति और उपलब्धि के गौरवशाली इतिहास को मानने के लिए जारी कार्यक्रम ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के हिस्से के रूप में प्रस्तावित अन्य कार्यक्रमों की कड़ी में अनूठी पहल करते हुए विश्व के सबसे बड़े आवासीय योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत ''खुशियों का आशियाना'' नामक लघु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को चुनौती और कंपटीशन मोड में लागू किया गया था। जिसमें PMAY(U) के निर्माण के बाद लाभुकों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ उनकी जीवन शैली एवं आत्मविश्वास में आए बदलाव एवं संबन्धित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ''खुशियों का आशियाना'' प्रतियोगिता पिछले वर्ष एक जुलाई से प्रारंभ होकर 15 सितम्बर 2021 तक चली। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा इसकी घोषणा 25 जून 2022 को सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर की गई। राष्ट्रीय स्तर पर घोषित कुल 34 पुरस्कारों में से झारखंड के 7 प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट फिल्म निर्माण हेतु द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया, जो पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छात्र, युवा, सिविल सोसाइटी के सदस्य, गैर सरकारी संस्थान के कर्मचारी, कोई भी संस्था, जो नगर निगम से जुड़ा हुआ नहीं हो। 18 साल से ज्यादा उम्र का कोई भी व्यक्ति एवं व्यावसायिक फोटोग्राफर भाग ले सकते थे। इस शॉर्ट फिल्म में यह दिखाना था कि इस योजना ने किस तरह से लोगों का जीवन प्रभावित किया है और इससे कितने लोगों का जीवन बेहतर हुआ है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रतिभागियों का विवरण

द्वितीय पुरस्कार

क्रम संख्या	प्रतिभागी का नाम
1.	लक्ष्मण गोप, सिमडेगा
2.	कुमार संसार, रामगढ़
3.	नमो विज़न

तृतीय पुरस्कार

क्रम संख्या	प्रतिभागी का नाम
1.	आशीष कुमार तिवारी, मानगो
2.	आयुष गुप्ता, चक्रधरपुर
3.	सामेल कोंगाड़ी, सिमडेगा
4.	रुद्रा एंटरटेनमेंट, रामगढ़

झारखंड के 7 प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट फिल्म निर्माण हेतु द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया

- 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत PMAY(U) अंतर्गत किया गया था प्रतियोगिता का आयोजन।
- सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर बनाई गयी थी फिल्म।
- PMAY(U) लाभुकों के विभिन्न पहलुओं को किया गया शामिल।

जीवंत उदाहरण पर बनी है फिल्म

मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत शंकोसाई मानगो में निर्मित लाभुक चंद्र मोहन कुजूर के घर पर लघु फिल्म व्यक्तिगत रूप से आशीष कुमार तिवारी मानगो द्वारा बनाया गया था। फिल्म को राज्य स्तर पर चयनित कर राष्ट्रीय स्तर पर ''खुशियों का आशियाना'' प्रतियोगिता में शामिल किया गया। देश भर में इसे तीसरा स्थान मिला है। राज्य व देश स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता को ''खुशियों का आशियाना'' नाम दिया गया था। इस फिल्म की अवधि सिर्फ 3 मिनट निर्धारित थी। इस प्रतियोगिता के विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में 25,000/- रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 20,000/- रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 12,500/- रुपये प्रदान किए जाएंगे।

रांची में एक दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रमिकों, राजमिस्त्रियों एवं ठेकेदारों को नवीन आवास प्रौद्योगिकी के अवधारणाओं से कराया गया रूबरू

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत देश के अलग-अलग प्रदेशों में चल रहे किफायती आवासों के निर्माण में नवीनतम तकनीक का उपयोग, थर्मल कम्फर्ट को शामिल करने एवं जलवायु परिवर्तन को कम करने हेतु केंद्रीय आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA), भारत सरकार द्वारा देश भर में ''रचना'' नामक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत भी अप्रैल माह में राजधानी रांची से ही हुई थी।

Innovative Construction technologies एवं किफ़ायती आवास निर्माण में थर्मल कंफर्ट की भूमिका, क्लाइमेट अनुकूल स्मार्ट बिल्डिंग के निर्माण सम्बंधित विभिन्न विषयों से लाइट हाउस प्रोजेक्ट, रांची के निर्माण में जुड़े एजेंसी, संवेदक श्रमिकों एवं राजमिस्त्रियों को अवगत कराने हेतु दिनांक 06.06.2022 को एक दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी को नवीन आवास प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं थर्मल कम्फर्ट जैसे विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भाग लेते श्रमिक,राजमिस्त्री एवं ठेकेदार।

उर्जा के नए विकल्पों को दिया जा रहा बढ़ावाः सभी को बताया गया कि सरकार रचना पहल के माध्यम से आवास निर्माण के क्षेत्र में नयी तकनीकों, थर्मल कम्फर्ट एवं दैनिक जीवन की ऊर्जा जरूरतों को कम करने वाले उपाय एवं उर्जा के नए विकल्पों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को बढ़ावा दे रही है। इसका उद्देश्य भविष्य के परिपेक्ष्य में बेहतर आवासीय संरचना के साथ-साथ आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके एवं गरीबों को बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस

पौधारोपण कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पर्यावरण से अभिप्राय एक ऐसी परिवृत्ति से है जो जन्तु तथा वनस्पति समुदाय को प्रभावित करती है। पृथ्वी हमारा घर है, और पर्यावरण इसकी छत है। दोनो को सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। हरियाली एक प्राकृतिक दृश्य के साथ पर्यावरण की आत्मा है। इसके अभाव में जीवन की कल्पना नही की जा सकती है। इसके अवनयन के लिए मानव का प्रकृति के साथ बिगड़ता सम्बन्ध सबसे अधिक उत्तरदायी कारक है। हमें इसे संतुलित, सुरक्षित और प्रदूषण से मुक्त रखने हेतु पर्यावरण सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन पर्यावरण दिवस मनाए जाने की आवश्यकता है। पर्यावरण से तात्पर्य केवल आस -पास के भौतिक पर्यावरण से नहीं अपितु सामाजिक एवं व्यवहारिक वातावरण भी सम्मिलित है। यह पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का हिस्सा बनना होगा, तभी हम पृथ्वी को सुरक्षित रख सकेंगे।

धनबाद नगर निगम अंतर्गत डे-एनयूएलएम प्रशिक्षुओं द्वारा प्रभात रैली निकाली गई एवं गिरिडीह नगर निगम के द्वारा पौधा वितरण (बाएँ से दाएँ)

पर्यावरण को समर्पित 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पर्यावरणीय सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न उपायों के जन जागरूकता हेतु प्रभात फेरी निकाली गयी। प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को पेड़ लगाने एवं बचाने की अपील करते हुए प्रकृति की रक्षा का संदेश दिया गया। नगर निकायों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में संबन्धित नगर निकाय के अधिकारियों एवं कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही साथ नगर निकायों यथा - धनबाद नगर निगम, गोड्डा नगर निगम, बुण्डू नगर पंचायत समेत अन्य नगर निकायों के कार्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया। मानगो नगर निगम की ओर से शनिवार को निगम के अधिकारियों एवं कर्मियों के बीच पौधों का वितरण किया गया। जिसमें तुलसी, आम, लीची, शीशम आदि के पौधे शामिल थे। निगम के अधिकारियों ने 5 जून को पर्यावरण दिवस पर अपने घर के आसपास कम से कम पांच पौधे लगाने का निर्देश सभी को दिया एवं बड़े होने तक देखरेख की सलाह दी।

वर्तमान में हम सबों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेना होगा। जीवन की सुरक्षा के लिए पौधा लगाना व उनको बचाना जीवन बचाने के समान है। प्रकृति की रक्षा में ही जीवन सुरक्षित है। जीवन को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण अति आवश्यक है। इसे सही मायनों में तभी बल मिलेगा, जब हम सभी अपने पर्यावरण के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे।

धनबाद नगर निगम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धनबाद नगर निगम मुख्यालय से जागरुकता रैली निकाली गई। जिसमें नगर आयुक्त व डे-एनयूएलएम के EST&P घटक के तहत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें प्रशिक्षुओं ने भारी संख्या में भाग लिया। रैली सिटी सेंटर होते हुए बस डिपो पहुंची, जहां कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डे-एनयूएलएम के सभी प्रशिक्षुओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी कड़ी में गिरिडीह नगर निगम के कार्यालय परिसर में उप नगर आयुक्त,उप महापौर एवं वार्ड पार्षदगण की उपस्थिति में वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

राज्यभर के निकायों में जागरूकता रैली निकाली

- डे-एनयूएलएम के प्रशिक्षुओं ने बड़ी संख्या में पौधे लगाये
- कार्यक्रम में अपने घरों में एक पेड़ लगाने की सलाह
- पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास पर बल

बुंडू नगर पंचायत

मेगा ऋण वितरण

राज्य स्तरीय ग्राहक जनसंपर्क अभियान में लाभुकों के बीच करोड़ों के ऋण का वितरण

सरकार शहरी गरीबों व उनके परिवारों के समाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु निरंतर प्रयासरत है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन को गति प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास भी जारी है। सरकार की पहल पर बैंकिंग प्रणाली में व्यापक सुधार हुआ है, जिससे हर व्यक्ति को बैंकिंग सेवा मिल रही है। इसके माध्यम से लोग अपना जीवन स्तर सुधार रहे हैं। साथ ही सरलीकरण के कारण व्यवस्था और भी आसान हो गई है।

रामगढ़ नगर परिषद

जमशेदपुर अक्षेस

''आजादी का अमृत महोत्सव'' कार्यक्रम के तहत दिनांक 08.06.2022 को राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में ''ग्राहक जनसंपर्क अभियान'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहरी गरीबों के बीच केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पथ-विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों एवं जन समुदायों तक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक गतिविधि को तीव्रता प्रदान करना था।

गरीबों तक वित्त पोषण के विभिन्न योजनाओं यथा पीएम स्वनिधि एवं DAY-NULM आदि केंद्र और राज्य की योजना से लोगों को आच्छादित करना है। वित्तीय समावेशन के तहत शहरी गरीब जन समुदाय को सामाजिक सुरक्षा योजना यथा प्रधानमंत्री जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से आच्छादित किया जाना है। कार्यक्रम को सुगम और त्वरित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न बैंकों एवं राज्य सरकार के विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जिसके माध्यम से योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई।

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति एवं पूर्वी सिंहभूम जिले के अग्रणी बैंकों के तत्वावधान में रवींद्र भवन टैगोर सोसायटी, साकची में Credit Outreach Program का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत तकरीबन 500 ऋण आवेदन जनरेट कर कुल 150 करोड़ की ऋण स्वीकृति का लक्ष्य रखा गया है। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आयोजित ''ग्राहक जनसंपर्क अभियान'' में 20 बैंकों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 46.61 करोड रुपये का वितरण 935 लाभुकों के बीच किया गया।

मानगो नगर निगम के लाभुकों को मिला ऋण

रवींद्र भवन में आयोजित ग्राहक संपर्क अभियान में मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत संचालित योजनाओं के लाभुकों को बैंक चेक प्रदान किया गया, जिसमें पीएम स्वनिधि के 10 लाभुकों के बीच पंजाब नेशनल बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और बैंक ऑफ इंडिया, मानगो शाखा के द्वारा रुपये 1,50,000/-, डे-एनयुएलएम योजना के एसईपी-घटक के तहत 8 लाभुकों को बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, मानगो द्वारा 6,50,000/- रुपये, क्रेडिट लिंकेज एवं 77 SHGs को यूनियन बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, इंडियन बैंक, मानगो द्वारा रुपये 7,00,000 का ऋण प्रदान किया गया।

''आजादी का अमृत महोत्सव''

500 आवेदन पर 150 करोड़ ऋण स्वीकृति का था लक्ष्य

- साकची में रवींद्र भवन में कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की हुई शुरुआत
- स्वयं सहायता समूह एवं पथ विक्रेताओं पर विशेष फोकस
- राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति एवं पूर्वी सिंहभूम जिले के अग्रणी बैंकों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

इन योजनायों के लाभुकों को उपलब्ध कराया गया ऋण

ग्राहक जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सात पथ विक्रेता को 20 हजार की दर से, 12 पथ विक्रेता को 10 हजार की दर से प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण उपलब्ध कराया गया। साथ ही बैंकिंग के स्वयं सहायता समूह के बैंक के तहत 8 स्वयं सहायता समूह को 1 लाख, एक स्वयं सहायता समूह को 1.9 लाख तथा 6 स्वयं सहायता को 2 लाख रुपये प्रति स्वयं सहायता समूह के दर से क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया गया। इस क्रेडिट लिंकेज में केनरा बैंक से 3 लाभार्थियों को 5 लाख, इंडियन बैंक के 1 लाभार्थी को 1 लाख तथा बैंक ऑफ इंडिया के 11 लाभुकों को 15 लाख 90 हजार रुपये क्रेडिट उपलब्ध कराया गया है।

जुगसलाई के 4 SHGs को मिला लोन

कार्यक्रम में जुगसलाई नगर परिषद द्वारा बनाए गए 4 स्वयं सहायता समूह को स्वरोजगार हेतु प्रति समूह 1,00,000 रुपये का ऋण प्रदान किया गया। साथ ही 2 पथ विक्रेता को प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि कार्यक्रम के तहत रुपये 20,000 का ऋण दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः करें योग, रहें निरोग

योग एक ऐसी साधना है जिससे कई रोगों को दूर कर सकते हैं। आज के दौर में योग हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक समस्याओं को ठीक रखने के लिए एक साधन के रूप में आज योग का उपयोग किया जा रहा है। योग में इतनी शक्ति है कि इसे बताना संभव नहीं। योग एक जीवन शैली है और साथ ही हमारी सांस्कृतिक विरासत भी है। योग को अपनी दिनचर्या में अपनाना चाहिए योग आत्मा एवं परमात्मा को जोड़ता है। साथ ही साथ शरीर एवं मन से भी संबंध रखता है। योग को जीवन शैली में शामिल करना हमारे शारीरिक भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने के लिए बहुत जरूरी है।

राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में डे-एनयूएलएम योजना के प्रशिक्षणार्थियों ने किया योगाभ्यास।

डे-एनयूएलएम योजना के प्रशिक्षणार्थी योगाभ्यास करते हुए (मानगो नगर निगम)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के EST&P घटक के तहत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों ने योगाभ्यास किया।

कौशल के साथ-साथ योग को भी अपनाने का लिया संकल्पः योग दिवस के परिपेक्ष्य में डे-एनयूएलएम योजना के EST&P घटक के तहत दिनांक 21.06.2022 को राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों यथाः - जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (अ.क्षे.स) , धनबाद नगर निगम एवं मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत ''कौशल प्रशिक्षण'' प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर योगाभ्यास किया। इस क्रम में बारी-बारी से सूक्ष्म योग, प्राणायाम सहित विभिन्न योगासन एवं व्यायाम कराया गया एवं उनसे होने वाले लाभ के बारे में भी बताया गया। साथ ही सभी प्रशिक्षुओं ने कौशल के साथ-साथ अपने दैनिक जीवन चर्या में योग को भी अपनाने का संकल्प लिया।

आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम, डे-एनयूएलएम से मिला जीविका का सही आधार

लगन, जिज्ञासा एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से राज्य की महिलाएं चुन रहीं हैं कामयाबी की राह

सिलाई-कढ़ाई करते हुए सृष्टि महिला समिति की महिलाएं।

कार्य की सिद्धि संसाधनों से नहीं, बल्कि व्यक्ति की लगन, जिज्ञासा, एवं दृढ़ इच्छाशक्ति ही कार्य सिद्धि के सेतु बनते हैं । सृष्टि महिला समूह की महिलाएं इसका जीता-जागता उदाहरण है। गरीबी के कारण जिम्मेदारियों का बोझ एवं समाजिक संकीर्णता से दबी इन महिलाओं के मन में हमेशा परिवर्तन की बात गूंजती थी। समूह की इन महिलाओं में कुछ करने की ललक तो थी परन्तु कैसे? पूंजी के अभाव के कारण ये महिलाएं उद्यम के क्षेत्र में अपना मुकाम पाने के लिए संघर्ष कर रहीं थीं। गरीबी एवं लाचारी के साथ संघर्षरत इन महिलाओं के लिए डे-एनयूएलएम योजना संजीवनी साबित हुई। सरकार की इन जन कल्याणकारी योजनाओं से राज्य की महिलाओं की जिंदगी लगातार बदल रही है।

जुगसलाई नगर परिषद के डे-एनयूएलएम कोषांग द्वारा क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2021 में सृष्टि महिला समूह का गठन किया गया था। समूह में 10 महिलाएं थी। इस समूह को आपसी लेन-देन बढ़ाने के लिए 10,000/- रुपये का चक्रीय निधि भी जुगसलाई नगर परिषद के तरफ से दिया गया। कम संसाधन एवं कम कार्यशील पूंजी होने के बावजूद इस दौरान समूह की महिलाएं पेटीकोट सिलाई कर दुकान में बिक्री करने लगी। इससे स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को बेतहाशा मुनाफा होने लगा। इस अभूतपूर्व परिवर्तन से इनलोगों में काफी आत्मविश्वास बढ़ा। संघर्षरत महिलाओं को अब उम्मीद की किरण नजर आने लगी थी। इनके सपनों को मंजिल मिल चुकी थी। पहले जहां स्वयं सहायता की ओर से ग्राहकों व दुकान के लिए पेटीकोट बनाया जाता था। इससे उन्हें 12 पेटीकोट सिलाई करने पर मात्र 55/- रुपये ही मिलते थे।

अब सरकार से 10,000/- रुपये की सहयोग राशि मिलने के बाद समूह की ओर से उन पैसों से कपड़ा खरीदकर पेटीकोट सिलाई कर बिक्री की जाने लगी। अब एक पेटीकोट पर 90/- रुपये मिल रहा है, जो इनकी सफलता एवं अथक प्रयासों की बानगी को पेश कर रहा है। साथ ही ये महिलाएँ अन्य स्वयं सहायता समूहों की प्रेरणा की स्रोत बन कर उभर रही हैं ।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास, लाभार्थियों में जगी नई आस

आवास मनुष्य की बुनियादी जरूरतों में से एक है। ऐसे में पीएम आवास योजना (शहरी) गरीबों एवं शहरी आवासविहीनों के जीवन को नया आयाम दे रहा है। उन्हें मकान का मालिकाना हक देकर सशक्त किया जा रहा है और जीवन में आगे बढ़ने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक- III अंतर्गत राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों के लाभार्थियों के साथ चरणबद्ध ''ऑनलाइन संवाद'' कार्यक्रम का आगाज किया गया।

डीएमए के तत्वावधान में आयोजित ''लाभार्थियों से ऑनलाइन संवाद'' का प्रथम चरण 14.06.2022 एवं दूसरा चरण दिनांक 20.06.2022 से शुरू किया गया।

संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य राज्यभर के निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) घटक- III (भागीदारी में किफ़ायती आवास परियोजना) के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं के ससमय सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु लाभार्थियों की समस्याओं, शंकाओं, बैंक की प्रक्रिया एवं दस्तावेज सम्बन्धी विषय-वस्तु का त्वरित निदान करा कर आवासविहीनों को जल्द आवास मुहैया करायी जाय। दोनों चरणों में आयोजित संवाद कार्यक्रम में सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी, PMAY (U) कोषांग के राज्य स्तरीय टीम लीडर श्री राजन कुमार एवं राज्य स्तर पर योजना से जुड़े तमाम अधिकारियों ने योजना के सफल क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए लाभार्थियों की विभिन्न समस्याओं को जानने का प्रयास किया।

साथ ही उन समस्याओं के समाधान हेतु सरल व सुगम उपाय बताते हुए लाभुकों की शंकाओं को दूर करने का भी प्रयास किया गया।

राज्यभर में निर्माणाधीन किफ़ायती आवास परियोजना के ''लाभार्थियों से ऑनलाइन संवाद''

कार्यक्रम में लाभुकों से बात करते डीएमए के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी।

इसी कड़ी में दिनांक 21.06.2022 को मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन ''अघोरी आश्रम किफ़ायती आवास परियोजना'' के लाभार्थियों के साथ चर्चा करते हुए बैंकों के प्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को आवास ऋण एवं किश्त भुगतान से संबन्धित विभिन्न प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्हें संतुष्ट किया।

बैंक से आवास ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेज: PMAY (U) के घटक- III के तहत बैंक लोन प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज़ फोटो, आईटीआर या आय प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं निगम से प्राप्त आवास पंजीयन के रु.20,000/- की जमा पर्ची।

आयोजित कार्यक्रम का विवरण

प्रथम चरण दिनांक	निकाय का नाम	द्वितीय चरण दिनांक	निकाय का नाम
14.06.2022	बुंडू नगर पंचायत	20.06.2022	गिरिडीह नगर निगम
15.06.2022	चास नगर निगम	21.06.2022	मेदिनीनगर नगर निगम
16.06.2022	देवघर नगर निगम	22.06.2022	हजारीबाग नगर निगम
17.06.2022	गढ़वा नगर परिषद	23.06.2022	झुमरी तिलैया नगर परिषद
24.06.2022	कोडरमा नगर पंचायत		

किश्त भुगतान की चुनौतियों से छुटकारा दिलाने पर विशेष जोर

''लाभार्थियों से ऑनलाइन संवाद'' कार्यक्रम में सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी ने आवास निर्माण के लिए संबन्धित बैंकों को ऋण प्रक्रिया को सरल व सुगम बनाकर सहयोग करने की बात कही। साथ ही लाभार्थियों को खुद के पैसे से परियोजना के सफल क्रियान्वयन में अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर प्रेरित किया। ताकि, लाभार्थियों को किश्त के भुगतान पर ब्याज, अन्य संबन्धित अतिरिक्त व्यय एवं लम्बे समय तक किश्त भुगतान की चुनौतियों से छुटकारा दिलाया जा सके।

पीएम स्वनिधि से पूरे हुए अरमान समाज में मिली नई पहचान

संजय राम, पिता अकल राम गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सड़क के किनारे ठेला दुकान लगाकर पराठा बेचते हैं। इसी दुकान से हुई कमाई से उनके पूरा परिवार का भरण-पोषण होता है। इसके अलावा इनके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। मगर कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन से इनकी दुकानदारी पूरी तरह से ठप हो गयी। इनके द्वारा सालों से अर्जित जमा-पूंजी धीरे-धीरे पारिवारिक खर्चे में खत्म हो गई। परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरी करने में काफी कठिनाई हो रही थी। उधार मांगने पर सगे-संबंधियों एवं पड़ोसियों ने हाथ खड़े कर दिए। चारों ओर से निराशा ही निराशा हाथ लग रही थी। जब पूर्ण लॉकडाउन के बाद आंशिक रूप से लॉकडाउन हटा तो उनके सामने चुनौतियाँ मुंह बाए खड़ी थी। सबसे बड़ी चुनौती थी जीवन रूपी गाड़ी को चलाने के लिए दुकान को नए सिरे खड़ा करना।

इसी दौरान एक दिन उन्हें गिरिडीह नगर निगम के एक अधिकारी से मुलाक़ात हुई और उनके द्वारा फुटपाथ दुकानदारों/विक्रेताओं के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के बारें में विस्तृत जानकारी मिली। यह जानकारी मिलने के बाद उनके चेहरे पर आत्मविश्वास की लालिमा झलक उठी। देर न करते हुए इनके द्वारा तुरंत उक्त योजना के लाभ के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया। तत्पश्चात, इन्हें नजदीकी बैंक से उक्त योजना के तहत 10,000/- रुपये का ऋण मिला। साथ ही इन्हें ऋण एवं QR कोड आधारित डिजिटल लेने-देन के समय पर ऋण वापसी से संबंधित लाभ के बारें में जानकारी दी गई।

लाभुक श्री संजय राम

अब पुनः दूसरी बार के लिए दिए हैं आवेदन

योजना का लाभ पाकर अब इनके अरमानों को मंजिल मिल चुकी थी। अब ये पहले ऋण के पुनर्भुगतान के बाद दूसरी बार 20,000/- रुपये ऋण के लिए आवेदन दिए है। मन में आत्मविश्वास का संचार होने लगा है। इसके लिए श्री संजय राम ने केंद्र व राज्य सरकार तथा गिरिडीह नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति आभार जताया है। इसके साथ ही अन्य स्ट्रीट वेंडर्स को भी सरकार की इस योजना का लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर रहे है।

PMAY(U) से पूरे हो रहे अरमान

चेहरे पर खिल रही मुस्कान

घर एक वित्तीय संपत्ति होती है, जो किसी भी व्यक्ति को गर्व और सामाजिक उत्थान की भावना देती है और उनके अन्य सपनों को पूरा करने का विश्वास भी देती है। सरकार पीएम आवास योजना (शहरी) के माध्यम से हजारों परिवारों को सुरक्षित वातावरण एवं सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्का मकान उपलब्ध कराकर उनके लिए एक सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित कर रहा है। साथ ही साथ महिलाओं को घर का मालिकाना हक देकर सशक्त और समृद्ध भी बना रही है। इसी बानगी को पेश कर रही है याशमीन खातून...

याशमीन खातून अपने झोपड़ीनुमा खपरैल घर के साथ।

याशमीन खातून अपने परिवार के साथ नव-निर्मित आवास में।

याशमीन खातून, पति- शैख बसीर नगर पंचायत, महागामा के वार्ड संख्या-06 के शांति नगर महागामा में पिछले कई वर्षों से झोपड़ीनुमा घर में निवास करते आ रहीं हैं। इनके पति पेशे से ड्राइवर हैं। इससे हुई कमाई से ही वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय एवं सीमित थी, ऐसे में इनके लिए अपना पक्का मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना एक सपने जैसा था, जिसके कारण वे खुद का पक्का मकान बनाने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ मिलने के पूर्व झोपड़ीनुमा घर में बुनियादी सुविधाएं जैसे- बिजली, पानी एवं शौचालय नहीं थी।

आँधी-तूफान आने से एल्बेस्टर उड़ जाने का डर एवं बरसात के समय पानी टपकने से घर की स्थिति बद से बदतर हो जाती थी, जिससे बच्चों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ-साथ पढ़ाई-लिखाई में भी काफी दिक्कतें होती थी। वास्तव में वह दिन याशमीन खातून के लिए स्वर्णिम दिन था, जिस दिन महागामा नगर पंचायत के प्रचार-प्रसार गाड़ी से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी मिली। तनिक भी देर न करते हुए उन्होंने तुरंत आवास निर्माण हेतु ऑनलाइन आवेदन किया और कुछ सामान्य प्रक्रियाओं के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एक लाभुक के रूप में उनका चयन भी कर लिया गया। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन्हें सहयोग राशि भी प्राप्त हो गयी।

कुछ ही समय में देखते ही देखते उन्होंने सहयोग राशि से अपने आशियाने का निर्माण पूर्ण कर लिया। सरकार के सहयोग से इनके इस नए घर में सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस घर में इनका पूरा परिवार अब काफी सुख-शांति व सुकून के साथ रह रहा है। इसके लिए याशमीन खातून ने केंद्र व राज्य सरकार तथा नगर निकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

गढ़वा नगर परिषद की अनूठी पहल

अनौपचारिक शिक्षण हेतु ''शिक्षा दीप'' का शुभारंभ

गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत टंडवा वार्ड संख्या 18 के वार्ड विकास केंद्र में दिनांक 14.06.2022 को अनौपचारिक शिक्षण केंद्र ''शिक्षा दीप'' का शुभारंभ हुआ। निकाय के अधिकारियों ने टंडवा स्थित सफाई मित्रों एवं पीएम आवास योजना (शहरी) के लाभुकों के मोहल्ले में जाकर उनके बच्चों के शैक्षणिक स्थिति की जानकारी ली थी। तभी अभिभावकों एवं बच्चों के साथ बनी सर्वसम्मति के अनुसार तय किया गया कि नगर परिषद के सौजन्य से उन्हीं के मोहल्ले में एक अनौपचारिक शिक्षा केंद्र शुरू किया जाए। उसी क्रम में ''शिक्षा दीप'' नाम से ऐसे शिक्षण केंद्र की शुरुआत की गयी। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पिंकी केसरी, कार्यपालक पदाधिकारी श्री संजय कुमार, वार्ड पार्षद श्री मनोज कुमार समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित ''शिक्षा दीप'' अभियान की शुरुआत की गयी।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते नगर परिषद के अध्यक्ष एवं अधिकारी।

नियमित रूप से कक्षाओं का किया जा रहा है संचालन

अभिभावकों एवं छात्र-छात्रों ने नगर परिषद के इस प्रयास को लेकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि यहाँ पर नियमित रूप से प्रतिदिन कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं, जिसको लेकर दो स्थायी शिक्षकों/कर्मियों की नियुक्ति भी की गई है, इतना ही नहीं नगर परिषद के जो इच्छुक पदाधिकारी/कर्मचारी हैं, वे भी इन बच्चों की कक्षाएँ ले रहें हैं। नगर परिषद के ऐसे इच्छुक कर्मियों का रोस्टर तैयार कर दिया गया है। ताकि, उन सब को पता रहें कि उन्हें उनकी बारी के अनुसार कौन सा दिन पढ़ाने जाना है। शहर के भी प्रबुद्ध एवं स्वैच्छिक शिक्षाविदों एवं सेवानिवृत शिक्षकों की ओर से भी प्रस्ताव आया है कि वे इस अनौपचारिक शिक्षा केंद्र में अपनी सेवाएँ देना चाहते हैं। इस शिक्षण केंद्र में फिलहाल सर्वे के उपरांत 48 ऐसे बच्चों का नामांकन कराया गया है, जिनकी शिक्षा किसी न किसी रूप से प्रभावित हो रही थी। नगर निकाय के इस सराहनीय प्रयास के लिए क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सरकार के सार्थक प्रयास से श्रमिकों के चेहरे पर लौट रहीं मुस्कान

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना से बड़ी संख्या में राज्य के श्रमिक लाभान्वित हो रहे हैं। एक तरफ जहां नगर निकायों के अधिकारियों के द्वारा योजना का लाभ दिलाने के लिए युद्धस्तर पर जगह-जगह कैंप लगाकर उन्हें निबंधित किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ योजना का लाभ पाकर ये लोग आत्मनिर्भर एवं सशक्त हो रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री श्रमिक योजना अकुशल श्रमिकों के लिए मददगार साबित हो रही है। 14 अगस्त 2020 को शुरू की गई इस योजना का राज्य के 50 नगर निकायों के गरीबों और श्रमिकों को लाभ मिलने लगा है। कोरोना संक्रमण के दौरान रोजगार का अभाव श्रमिकों के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में दिखा। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह दौर बड़ी मुसीबत से कम नहीं था। उस दौरान लाखों की संख्या में प्रवासी श्रमिक अपने घर लौटे। तब उनके लिए एक नई योजना बनाई गई।

नगर निकायों में अकुशल श्रमिकों का MSY में निबंधन ज़ोर-शोर से है जारी

कैंप में जॉब कार्ड प्राप्त करते श्रमिक (चाईबासा नगर परिषद)

राज्यभर के
50
नगर निकायों में अब तक 63,493 जॉब कार्ड निर्गत किया गया।

राज्यभर के अब तक इतने श्रमिकों को किया गया निबंधन

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के अनुसार पिछले ढाई वर्ष में 50 नगर निकायों में अब तक 63,493 जॉब कार्ड निर्गत कर 12,66,744 मानव दिवस कार्य का आवंटन किया गया।

विभिन्न नगर निकायों में आयोजित कार्यक्रमों के कुछ विवरण

हजारीबाग नगर निगम

दिनांक 14.06.2020 को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में श्रमिकों को जॉब कार्ड बनाकर वितरित किया गया। साथ ही उन्हें तत्काल रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्क डिमांड आवेदन फॉर्म भी भरवाया गया।

मानगो नगर निगम

दिनांक 17.06.2022 को योजना अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता शिविर लगाया गया। इस दौरान 100 से ज्यादा लाभुकों का आवेदन फॉर्म भराया गया। कैंप लगाकर कई क्षेत्रों में लाभुकों के प्राप्त आवेदन के आधार पर जॉब कार्ड का वितरण भी किया जा रहा है।

जमशेदपुर अक्षेस

जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 17.06.2022 को योजना अंतर्गत श्रमिक कार्ड वितरित किया गया। इस दौरान जितने भी नए आवेदन जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को प्राप्त हुए, उन सभी आवेदकों को जॉब कार्ड बनाकर उपलब्ध करा दिया गया।

कैंप में उपस्थित श्रमिक

प्रकृति की सुंदरता से आच्छादितः गुमला नगर परिषद

प्रकृति की सुंदरता से धन्य, गुमला घने जंगलों, पहाड़ियों और नदियों से आच्छादित है। यह झारखंड राज्य के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित है। गुमला नगर परिषद की स्थापना सन 1976 में बीस वार्डों के साथ हुई थी। यह नगर परिषद आरंभ में अधिसूचित क्षेत्र समिति के अंतर्गत आता था। गुमला जिला प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण होने के साथ ही घने जंगलों, पहाड़ों एवं नदियों से घिरा हुआ है। 18 मई 1983 को यह जिला रांची से अलग हुआ। झारखंड राज्य के दक्षिण-पश्चिम में यह जिला अवस्थित है। पूर्व में यह जिला रांची जिला का अनुमंडल था। भौगोलीक रूप से गुमला छोटनागपुर पठार के पूर्वी किनारे का निर्माण करता है। माना जाता है कि गुमला हिन्दी के दो शब्दों गौ और मेला से मिलकर बना हुआ है। गौ का अर्थ है गाय और मेला। प्रत्येक मंगलवार को यहाँ मवेशी मेला लगता था। ग्रामीण क्षेत्र में आज भी नागपुरी और सादरी लोग गौमेला नाम से इसे पुकारते है।

गुमला नगर परिषद एक नज़र में

वार्डों की संख्याः 22

कुल जनसंख्या	औसत साक्षरता दर
51,264	89.33%
पुरुष : 26,252	पुरुष : 93.02%
महिला : 25,012	महिला : 85.48%

2011 की जनगणना के अनुसार

अध्यक्षः श्री दीपनारायण उराँव
उपाध्यक्षः श्री कलीम अख़्तर
कार्यपालक पदाधिकारीः श्री रवि आनन्द

प्रमुख पर्यटन स्थल

आंजन धाम	नागफेनी नदी
टांगीनाथ धाम	महासदाशिव मंदिर
पालकोट गुफा	मसरिया बाँध

भाषाः हिन्दी, नागपुरी एवं सादरी

योजना एक नजर में

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) - PMAY(U)

गुमला नगर परिषद् में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक के अंतर्गत वर्ष 2015 से 2021 तक कुल 5335 आवासों की स्वीकृति दी गई जिसमें कुल 3307 आवासों का कार्य पूर्ण किया गया। इसके साथ ही वित्तीय-वर्ष 2021-22 में कुल 1076 आवासों की स्वीकृति मिली, जिसमें सभी लाभुकों से एकरारनामा करा लिया गया है एवं 534 लाभुकों द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)

गुमला नगर परिषद् में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कुल 2882 लाभुकों को उनके खाते में राशि हस्तांतरित करते हुए व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया है। नगरवासियों की सुविधा हेतु आवासीय तथा वाणिज्यिक क्षेत्रों पर कुल 13 सामुदायिक / सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है । इसके आलावा 04 वाणिज्यिक क्षेत्रों पर मोड्यूलर टॉयलेट का अधिष्ठापन कराया गया है । गुमला नगर परिषद् क्षेत्र को दिनांक 09.11.2019 को ODF+ Certified किया गया है तथा इसका Re-Certification दिनांक 13.02.2021 तथा पुनः 15.02.2022 को हुआ है । सम्पूर्ण नगर क्षेत्र की विभिन्न प्रकार की मशीनों द्वारा साफ़-सफाई कराई जाती है।

दीनदयाल अन्त्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

डे-एनयूएलएम योजना अंतर्गत वित्तीय-वर्ष 2014-15 से अब तक कुल 278 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है । साथ ही 22 ALF का गठन किया गया है । वित्तीय-वर्ष 2021-22 तक 236 स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड दिया जा चुका है । SEP-I (व्यक्तिगत स्व-रोजगार कार्यक्रम) के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल लक्ष्य 18 के विरूद्ध 19 लाभुकों को ऋण प्रदान किया जा चुका है । वित्तीय-वर्ष 2021-22 में SHG बैंक लिंकेज का लक्ष्य 09 था, जिसके विरूद्ध 14 SHG का बैंक लिंकेज कराया गया है।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY)

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना अंतर्गत गुमला नगर परिषद् क्षेत्र में वित्तीय-वर्ष 2021-22 में कुल 439 के लक्ष्य के विरूद्ध जॉब कार्ड 495 निर्गत किया गया है । साथ ही वित्तीय-वर्ष 2022-23 में अबतक कुल 126 जॉब कार्ड निर्गत किया गया है । साथ ही वित्तीय-वर्ष 2021-22 में 8962 मानव दिवस कार्य के लक्ष्य के विरूद्ध 21768 दिनों का कार्य आवंटन किया गया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (PM SVANidhi)

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल लक्ष्य 750 के विरूद्ध 648 आवेदनों को ऑनलाइन किया गया, जिसके आलोक में 358 स्ट्रीट वेंडरों को प्रथम किश्त की राशि तथा 11 स्ट्रीट वेंडरों को द्वितीय किश्त की राशि उपलब्ध कराई गई है।

प्रधानमंत्री माइक्रो फूड प्रोसेसिंग योजना

प्रधानमंत्री माइक्रो फूड प्रोसेसिंग योजना के तहत गुमला नगर परिषद् क्षेत्रान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल लक्ष्य 11 के विरूद्ध 17 स्वयं सहायता समूहों का ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण कर राज्य इकाई को स्वीकृति हेतु भेजा

डीएमए के तत्वावधान में गुमला नगर परिषद के अधिकारियों ने लक्ष्य के अनुसार उक्त योजनाओ के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके लिए निकाय क्षेत्र के सभी अधिकारी बधाई के पात्र हैं। डीएमए गुमला नगर पंचायत के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
श्री विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
श्री शैलेश प्रियदर्शी
सहायक निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

राज्यभर के सभी नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों एवं जुलाई माह में नगर निकायों के विविध गतिविधियों की संक्षिप्त झलकियाँ।

7 ANNIVERSARY Celebration

Years of
PRADHAN MANTRI AWAS YOJANA-URBAN
2015-2022

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in

1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand